तरंग-2023

सरल, सुबोध और सुंदर अभिव्यक्ति है हिंदी, भारत की संस्कृति है।

हर पल ये तरंगे हमें जीवन का अनमोल पाठ सिखाती हैं। रुकना नहीं, सतत् बहाव ही जीवन है, कितनी आसानी से समझाती हैं। हर तरंग एक कविता, एक कहानी सुनाती है, मन में उठे विचारों की गहराई को एक नया अयाम दे जाती है।इसी सोच के साथ दिल्ली पब्लिक स्कूल सेक्टर-**45**, गुड़गाँव में अंतर्विद्यालय तरंग-**2023** उत्सव का आयोजन किया गया।इसमें तीसरी, चौथी एवम् पाँचवी कक्षाओं के छात्रों ने उत्साहपूर्वक भाग लिया।

इस उत्सव को हिंदी दिवस के उपलक्ष्य पर **14** सितंबर **2023**, दिन गुरुवार को उत्साह पूर्वक संपन्न किया गया। इस उत्सव का विषय विद्यार्थियों के लिए दोस्ती, शिक्षकों के लिए शिक्षा की नई राहें एवं प्रधानाचार्य जी के लिए बचपन रखा गया।जिसका उद्देश्य बच्चों को भारतीय संस्कृति से जोड़ना व शिक्षा के बदलते स्वरूप को अपनाकर निरंतर आगे बढ़ना है। जिसमें विद्यार्थियों, शिक्षकों एवं प्रधानाचार्या जी का प्रस्तुतीकरण अत्यंत प्रशंसनीय रहा। शिक्षकों ने अपने अनुभवों को काव्य से जोड़कर शिक्षा की नई राहें पर अपनी स्वरचित कविताएँ रची व प्रधानाचार्या जी ने अपनी बचपन की यादों को बड़े ही सुंदर शब्दों में कविताबद्ध किया।हमारे विद्यालय की प्रो वाइस चेयरपर्सन श्रीमती देवयानी जयपुरिया ने भी अपनी बचपन के यादों को सुंदर कविता के रूप में हमारे साथ साँझा किया है।अभिव्यक्ति, लयात्मकता, रचनात्मकता, वर्णनात्मकता, शब्द चयन एवम् संपूर्ण प्रस्तुतीकरण के आधार पर छात्रों को ई-प्रमाणपत्र प्रदान किए गए। इस उत्सव का समापन समारोह विद्यालय के यूट्यूब चैनल द्वारा प्रसारित किया गया।

इस अवसर पर विद्यालय की निदेशक प्राचार्या श्रीमती अदिति मिश्रा ने कहा कि हिंदी भाषा के प्रति रुचि उत्पन्न करने, भाषा की जीवंतता व प्रवाहशीलता बनाए रखने हेतु यह प्रयास श्रेयस्कर है, साथ ही उन्होंने शिक्षा की नई राहों की सराहना करते हुए छात्र के बचपन की गतिविधियों के महत्त्व को बताया एवम् छात्र जीवन में दोस्ती के एहसास, बच्चों के आत्म-सम्मान एवम् उनके सामाजिक कौशल के विकास को बताते हुए उन्हें जीवन में आत्मसात् करने की प्रेरणा दी।